पो. रजि. नं. जयपुर सिटी/011/2024-2026, आरएनआई रजि नं. 48910/91 fb/seemasandesh1951 seemasandesh1951@gmail.com 0141-2700113 ■ जयपुर-श्रीगंगानगर (राज.) से एक साथ प्रकाशित ■ जोधपुर, कोटा, नागौर से प्रसारित

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में यह सोच विकसित कर देता है कि वो असफल नहीं हो सकते।
-बिल गेट्स

1951 में स्थापित

सीमा सन्देश

संस्थापक स्व. श्री कमल नयन शर्मा

ताकत किसान की, जवान की

■ वर्ष : 34 ■ अंक : 230 ■ मूल्य : रु. 2.00 ■ पृष्ठ : 08 जयपुर, गुरुवार 20 फरवरी 2025 ऑनलाइन पढ़े : epaper.seemasandesh.in

'कौशल विकास में सीरी जैसे शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण'

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 का सफल आयोजन

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) स्किल कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि रहे और सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में राज्यपाल महोदय ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए उसके लाभों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस आवश्यकता उनके कौशल को निखारने की है जिसमें हमारे विश्वविद्यालय और सीरी जैसे शोध संस्थान अपनी भूमिका निभा सकते हैं। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय वेदों और भारतीय साहित्य के महत्व को भी रेखांकित किया।

वैदिक साहित्य और सनातन संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे वेद और भारतीय साहित्य हमारे प्राचीन विज्ञान के उन्नत होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। सीएसआईआर-

सीरी, पिलानी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ पंचारिया ने अपने स्वागत संबोधन में संस्थान की शोध गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती-राजस्थान ने आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी।यह कार्यक्रम विज्ञान भारती-राजस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया।मुख्य समारोह से पूर्व राज्यपाल महोदय द्वारा ₹विज्ञान की जीवन धारा₹ मूर्ति का अनावरण किया गया। यह मूर्ति विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचारों द्वारा आम जनमानस को लाभान्वित करने का प्रतीक है। इसके साथ ही राज्यपाल ने संस्थान की इलेक्ट्रॉनिक साइंस गैलरी और सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया, जो उद्योग और समाज दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में, ₹एफोर्डेबल पीसीआर₹ (आङ्क्षर्ु'ी ढउफ) तकनीक का सफलतापूर्वक हस्तांतरण डॉ. श्रीधरन. जे, संस्थापक एवं निदेशक, क्राफ्टजाइम्स बायोटेक प्रा. लि., कोयंबटूर, तमिलनाडु को किया गया। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक तकनीक से स्वास्थ्य परीक्षण और आणविक जांच को अधिक सुलभ और किफायती बनाया जा सकेगा।ईएसडीएम स्किल कॉन्क्लेव 2025 में औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं, शिक्षाविदों और शोधकताओं ने भाग लिया और भारत के ईएसडीएम क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर झुन्झनू रामवतार मीणा, जिला पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी, पिलानी वीके इंडस्टरीज के संस्थापक जगदीश प्रसाद सोनी, डॉ आईपी पारीक, डॉ रमेश जाजू, ओमप्रकाश टेलर सहित झुंझुनू प्रशासनिक अधिकारी, सीरी पिलानी के वैज्ञानिक, सहकर्मी आदि उपस्थित रहे।